रोहिणी व्रत पूजा विधि PDF

1. इस व्रत के दिन सुबह जल्दी चाहिए।
2. सभी प्रकार के नित्यकर्मों से निवृत्त होने के बाद स्नान कर ले।
3. इस व्रत के दिन भगवान वासुपूज्य की जाती है।
4. सबसे पहले पंचरत्न, ताम्र या स्वर्ण की मूर्ति के स्थापना अवश्य कर ले।
5. पूजा समाप्त होने बाद फल–फूल, वस्त्र और नैवेद्य का भोग लगाएं।
6. यदि आप दान के इच्छुक हो तो अवश्य करे दान का महत्व बहुत ज्यादा होता है।
7. मान्यता के अनुसार इस व्रत का पालन 3, 5 या 7 वर्षों तक नियमित रूप से करना चाहिए।
8. इस व्रत के लिए के लिए सही समय अवधि 5 महीने या फिर 5 साल मानी गई है।

pdfinbox.com